गिरिजाकुमार माथुर

काव्यांश 1

विषय-

1. 'सुरंग सुधियाँ सुहावनी' में अनुप्रास अलंकार है।
2. बिंबों का बहुत सुंदर प्रयोग किया गया है। कुंतल के फूलों की याद बनी चांदनी (दृश्य बिंब), भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण (स्पर्श बिंब)।
3. विशेषण शब्दों का सटीक प्रयोग किया गया है।
4. इसकी सरल भाषा है।

काव्यांश 2

विषय-

1. प्रतीत्मकता का समावेश है।
2. इसकी सरल भाषा है।
3. विशेषण शब्दों का सटीक प्रयोग किया गया है।

काव्यांश 3

विषय-

1. सकारात्मक दृष्टिकोण विद्यमान है।
2. इसकी सरल भाषा है।
3. देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं में विरोधाभास की झलक मिलती है।
4. शरद-रात में तथा रस बसंत में रूपक अलंकार की छटा है।